

प्रेम्क,

डा० भूपिन्दर कौर औलख,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

माध्यमिक शिक्षा

उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 13 दिसम्बर, 2017

विषय: सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल के संचालन एवं अनुसूचन तथा आन्तरिक मार्गों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख(2)/14924/सै0स्कू0 घोड़ाखाल/2017-18, दिनांक: 22 अगस्त, 2017, पत्र संख्या-5ख(2)/23596/सैनिक स्कूल/2017-18 दिनांक 07 नवम्बर, 2017 एवं प्रधानाचार्य सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के पत्र संख्या: एस0एस0जी0के0/एडम/5/775/ 2017-18, दिनांक: 17 जून, 2017 तथा 02 नवम्बर, 2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल के अन्तर्गत आन्तरिक मार्गों एवं सैप्टिक टैंक तथा सोकपिट के निर्माण कार्यों हेतु कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग भवाली, नैनीताल द्वारा गठित आंगणनों की विभागीय टी0ए0सी0 द्वारा कुल औचित्यपूर्ण लागत रुपये 136.31 लाख की धनराशि के सापेक्ष शासनादेश संख्या 799/XXIV-3/16/02(135)2013, दिनांक 04 मई, 2016 द्वारा रु0 55.00 लाख एवं शासनादेश संख्या 1187/XXIV-3/16/02(135)2013, दिनांक 29 जुलाई, 2016 द्वारा रु0 45.00 लाख तथा शासनादेश संख्या 356/XXIV-3/17/02(135)2013, दिनांक 27 मार्च, 2017 द्वारा रु0 10.00 लाख सहित कुल स्वीकृत की गयी धनराशि रु0 110.00 लाख को समायोजित करते हुए अवशेष धनराशि रुपये 26.31 लाख (रुपये छब्बीस लाख इकत्तीस हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में आपके निर्वतन पर रखते हुए नियमानुसार व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्नांकित शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (2) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी आवश्यक होगी।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (4) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मददेनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (5) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (6) विस्तृत आंगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (7) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (8) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- (9) उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 475/XXVII(7)/2008 दिनांक: 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

h's h

कमरा-2

- (10) स्वीकृत विस्तृत आंगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आंगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।
- (11) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुयल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (12) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।

2. उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 02-माध्यमिक शिक्षा, 001-निदेशन तथा प्रशासन 00-आयोजनागत, 10 सैनिक स्कूल घोड़ाखाल को अनुरक्षण/संचालन निधि हेतु अनुदान, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता की भानक मद के नामें डाला जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-610/3(150)/XXVII(3)2017, दिनांक 30 जून, 2017 के अनुक्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० भूपिन्दर कौर औलख)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:-1460/XXIV-3/17/02(135)/2013 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आकष्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 4- मुख्य शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 5- प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल।
- 6- बजट एवं राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर।
- 7- वित्त विभाग (अनुभाग-3)/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 8- सम्बन्धित निर्माण एजेंसी।
- 9- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

h. y. h. i

(महिमा)

उप सचिव।